an>

title: Need to formulate a special programme for providing clean drinking water in the country.

श्री विष्णु दयाल राम (पलामू) ः विश्व भर में 80 फीसदी से अधिक बीमारियाँ प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रदूषित पानी से होती हैं। दूषित पानी से भारत में करोड़ों व्यक्ति प्रतिवर्ष जलजनित बीमारियों जैसे, हैजा, पोलियो, पेचिस, टायफाइड एवं हेपेटाइटिस से प्रभावित होते हैं और लाखों बच्चों की अकेले डायरिया के कारण मृत्यु हो जाती है। इसके अतिरिक्त पानी में मिले फ्लोराइड एवं ऑर्सेनिक तत्व आदि से होने वाली बीमारियाँ जैसे फ्लूरोरिस, कैंसर तथा त्वचा रोगों से प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में लोग प्रभावित होते हैं। स्वच्छ पेयजल के अभाव में प्रतिवर्ष होने वाली बीमारियों के उपचार पर हज़ारों करोड़ रूपए खर्च करने पड़ते हैं। शहरों में आबादी के द्वारा उत्पन्न किए जाने वाले मल-मूत्र, कूड़े-करकट को पाइप लाइन अथवा नालों के जरिए प्रवाहित करके नदियों एवं अन्य सतही जल को प्रदूषित किया जा रहा है। कल-कारखानों, छोटे-बड़े उद्योगों द्वारा भी निकले बहःस्रावों द्वारा सतही जल प्रदूषित हो रहे हैं।

नदियों, झरनों और नहरों के पानी को दूषित होने से बचाया जाए। इन प्रदूषणों को रोकने के लिए कठोर नियम बनाने की आवश्यकता है। साफ पानी उपलब्ध कराने तथा इसके स्वच्छतापूर्वक उपयोग हेतु विभिन्न विभाग एवं एजेंसियां जैसे जल संसाधन मंत्रालय, शहरी विकास एवं गरीबी उपशमन मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नगर निकाय एवं राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय विकास संस्थाएÃ¬ विभिन्न भूमिकाएं निभाती हैं परंतु यह सभी सीमित तालमेल के साथ लगभग अलग-अलग कार्य करती हैं। योजनाओं के कुशल क्रियान्वयन तथा गुणवत्तापरक पानी उपलब्ध कराने हेतु इन सभी विभागों एवं संस्थाओं में तालमेल आवश्यक है।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि सरकार इस संबंध में विशेष कार्ययोजना बनाए तथा लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए त्वरित कदम उठाए।